रसीली की रस भरी रातें-1

“मेरा नाम सपना है, मैं अपनी सुहागरात की हिंदी एडल्ट स्टोरी लिख रही हूँ. मैं 40 साल की हूँ। ससुराल में मुझे रसीली के नाम से बुलाते हैं। आज मेरे पास दिल्ली में अच्छा सा फ्लैट है और पति का लकड़ी का काम है। आज से 20 साल पहले की बात है। बिहार के एक […] ...”

Story By: उषा मस्तानी (mastaniusha)
Posted: Tuesday, May 1st, 2012
Categories: जवान लड़की
Online version: रसीली की रस भरी रातें-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रसीली की रस भरी रातें-1

मेरा नाम सपना है, मैं अपनी सुहागरात की हिंदी एडल्ट स्टोरी लिख रही हूँ.

मैं 40 साल की हूँ। ससुराल में मुझे रसीली के नाम से बुलाते हैं। आज मेरे पास दिल्ली में अच्छा सा फ्लैट है और पति का लकड़ी का काम है।

आज से 20 साल पहले की बात है। बिहार के एक शहर में रहती थी, माँ बाप गरीब थे, मेरी एक बहन और एक भाई था।

19 साल की उम्र मैं सतीश से प्यार के चक्कर में पड़ गई थी। सतीश ने वादा किया था कि वो मुझसे शादी करेगा।

प्यार बढ़ता गया, सतीश इंजीनियरिंग पढ़ रहा था। प्यार परवान चढ़ने लगा था। हर इतवार उसकी बाइक पर हम लोग सुनसान इलाके में पहुँच जाते थे और जवानी के मज़े लूटते थे।

सतीश के लंड को सहलाने और उससे चूचियाँ दबवाने की आदत पड़ गई थी।

एक महीने के अंदर ही एक रविवार को सतीश ने मेरी चूत की सील तोड़ दी, पहली चुदाई में बड़ा दर्द हुआ।

उसके बाद तो हम जल्दी जल्दी मिलने लगे थे, जब भी हम मिलते तो सतीश मेरी चुदाई जरूर करता था।
मुझे चुदने में मज़ा आने लगा था। मैं अब एक चुदक्कड़ लड़की हो गई थी।

कुछ दिनों बाद लंड मेरे मुँह में भी घुस गया था, लंड चुसाई में मुझे बड़ा मज़ा आने लगा था।

इसी तरह एक साल गुजर गया।

सतीश को बंगलौर में नौकरी मिल गई, उसने मुझसे शादी को मना कर दिया, वो बोला- तुम गरीब घर से हो ! मैं किसी अमीर लड़की से शादी करूँगा।

मेरी तो हवा निकल गई लेकिन अब मैं क्या कर सकती थी। मैं उसके लौड़े का शिकार हो चुकी थी।

एक महीने बाद से ही मेरी चूत की आग चुदने के लिये भड़कने लगी, दो दोस्त और बनाए दोनों ने मेरी चूत के मज़े लिए और एक साल के अंदर ही मुझे छोड़ गए।

अब मैं खुद चुदने के लिए दोस्त बनाने लगी।

एक दिन होटल में चुदते हुए पकड़ ली गई लेकिन मैं चुद कर ही छुट भी गई।

मैं बदनाम भी हो गई थी। घर में सब लोग दुखी थे।

हम लोग गरीब थे मेरी शादी के लिए दहेज़ भी नहीं था। मेरी माँ ने एक लड़के से मेरी शादी तय कर दी, लड़का मुझसे 10 साल बड़ा था और लड़के के चेहरे पर जले के निशान थे।

मैं दुखी थी।

शादी से पहले मेरी मौसी घर आईं, उनकी उम्र 35 साल होगी मेरी वो एक अच्छी सहेली भी थीं.

रात में मौसी मेरे साथ सोईं और मुझे गले से लगाती हुई बोलीं- मुझे पता है कि तुझे प्यार में धोखा मिला है। तेरी चूत भी चुद चुकी है। बद अच्छा बदनाम बुरा। लड़का अच्छा है। चेहरे पर जले के निशान है लेकिन स्वस्थ है। घर के लोगों का लकड़ी का और खेती का काम है गाँव के अमीर लोगों में गिनती होती है।

मौसी बोलीं- तेरा बदन और चूचियाँ बड़ी रसभरी हैं, एक बार मस्त होकर अपनी पति को रस पिलाना और अपनी चूत का दीवाना बना लेना, तेरा गुलाम हो जाएगा। पुरानी बातें भूल जा और चूत की खिलाड़िन बन जा। चूत की खिलाड़िन औरतें रानी बन जाती हैं और इस खेल से अनजान घर में भोंदू बीवी या रंडियाँ बन जाती हैं! इस खेल को समझ और खेल! मैं हज़ारों ऐसी शरीफ औरतों को जानती हूँ जिन्हें लोग सावित्री समझते हैं लेकिन वो अपनी चूत में पचासों लंड डलवाए हुई हैं। इस खेल में यह जानना जरूरी है कि किसको चूची दिखानी है और किस से छुपानी है, किससे लौड़ा घुसवाना है और किससे छुलवाना है। चूत की खिलाड़िन बन! जिन्दगी भर खुश रहेगी और गरीबी भी भाग जाएगी। लेकिन जब भी लौड़ा अंदर ले तो पूरी रांड बनकर मजे करना! जवानी बार बार नहीं आती है। अब तू सब कुछ भूलकर शादी के बाद की रस भरी रातों का मज़ा लेने को तैयार रहना।

मौसी की बातों से मुझे कुछ राहत मिली।

दस दिन बाद मेरी शादी थी।
मेरी शादी हो गई मैं अपनी ससुराल आ गई।

मेरी ससुराल झुमरी गाँव में थी। गाँव में सास-ससुर, देवर रहते थे।

रात को ऊपर के कमरे में मेरी सुहागरात मननी थी। नौ बजे सज़ धज कर मैं ऊपर आ गई। चूत में एक सनसनाहट सी मच रही थी, मन में विचार घूम रहे थे कि इनका लंड मेरी फटी चूत में घुसेगा तो ये क्या सोचेंगे।

दस बजे ये मेरे कमरे में आ गए। कुछ देर के बाद इन्होंने मेरे जेवर और साड़ी-ब्लाउज उतार दिया।
अब मेरी ब्रा खुलने की देर थी।

ऊपर से दो तीन बार चूचियाँ दबाने के बाद इन्होंने मेरी ब्रा खोल दी, मेरी रस भरी कसी हुई चूचियाँ देखते ही ये पगला गए और उन्हें मसलते हुए बोले- सपना रानी, वाह क्या माल संतरियाँ हैं।

इन्होंने मुझे बिस्तर पर लेटा दिया और मेरी एक चूची दबाते हुए दूसरी चूसने लगे।
इनके मुँह से दारु की दुर्गन्ध आ रही थी। इनका लौड़ा खड़ा हो गया था। ये खड़े हो गए और इन्होंने अपने सारे कपड़े उतार दिए।

'बाप रे बाप! क्या मोटा लंड था!' देखकर मैं हैरान थी।
सतीश और मेरे पुराने चोदू दोस्तों के 5-6 इंच लंड के आगे यह 8 इंची गधे जितना मोटा लंड देखकर मैं हैरान थी, मुझे तो लगा आज तो मर जाउंगी।

आगे बढ़कर ये मेरा पेटीकोट उतारने लगे, मैं शर्माने का नाटक करते हुए बोली- बिजली बंद कर दीजिए ना!

इन्होंने बत्ती बंद कर दी और मेरा पेटीकोट उतार दिया, अब मेरी लसलसी मचलती चूत लंड घुसने का इंतज़ार करने लगी।

मेरी जाँघों को थोड़ा चौड़ा करते हुए इन्होंने अपनी उँगलियों से मेरी चूत के दाने को जोरों से रगड़ दिया और उंगली अंदर घुसा कर मेरी चूत की मालिश करने लगे, चूत पूरी पानी से नहाने लगी थी। इसके बाद मेरे ऊपर चढ़ कर इन्होंने अपने लंड का सुपारा मेरी चूत के मुँह पर लगा दिया।

दो तीन धक्के मारने पर भी इनका मोटा लंड अंदर नहीं घुसा, ये जैसे बुदबुदाए- साली, बहन की लौड़ी ! बड़ी कसी हो रही है !

और इन्होंने अपने हाथ से लंड पकड़ कर मेरी चूत की फलकों पर रगड़ते हुए अंदर घुसा दिया और एक झटके से मेरी चूत में लंड पेल दिया। मेरी चीख निकल गई थी लेकिन लंड अब मेरी गुफा के अंदर था।

मेरी चूचियाँ मसलते हुए बोले- बस थोड़ी देर का दर्द है, सहन करो !

और ये अपना लंड अंदर घुसाते गए। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

बाप रे बाप ! ऐसा लग रहा था जैसे कि चूत चोदी नहीं खोदी जा रही हो ! मेरा चिल्लाना जारी था।
लंड पूरा अंदर तक घुस गया था।

थोड़ी देर में लंड मेरी चूत चोदने लगा, बड़ा दर्द हो रहा था लेकिन अब मज़ा आ रहा था ! आह … उह … ऊई … ऊई … उह … उह … से मेरी आनंदमयी आवाजें कमरे में गूंजने लगीं।

20-25 धक्कों के बाद इन्होंने लंड बाहर निकाल लिया और मुझे तिरछा कर दिया अब पीछे से मेरी चूत में लंड घुसा दिया और मेरी चूचियों का दबा दबा कर रस निकालने लगे। इनका मोटा लंड चूत फाड़कर अंदर तक घुसा हुआ था।

मेरे दूधिया थनों की निप्पलें उमेठते हुए ये बोले- शुरू में दर्द होता है ! अब तो मज़ा आ रहा होगा ?
चुदाई की मस्ती में मैं नहा रही थी, बेशर्म होते हुए बोल पड़ी- और करिए ना !

गालों को चूमते हुए इन्होंने मेरी चूत में लंड दौड़ाना शुरू कर दिया।
मुझे चोदते हुए इन्होंने मेरी निप्पलें उमेठ उमेठ कर कड़ी कर दीं। चूत बुरी तरह चुद रही थी।

थोड़ी देर में ही पूरा वीर्य चूत में गिर गया। मेरी पूरी मटकी रस से भर गई थी। इसके बाद मैं सो गई।

हिंदी एडल्ट स्टोरी जारी रहेगी।
mastaniusha@gmail.com

कहानी का अगला भाग : रसीली की रस भरी रातें-2

Other stories you may be interested in

दोस्त की चालू बहन की चुत में मेरा लंड- 2

गरम लड़की के साथ सेक्स कहानी मेरे दोस्त की बहन की चुदाई की है. उसने खुद मुझे इसके लिए पटाया. मैंने कैसे उसके साथ सेक्स किया ? मजा लें. दोस्तो, मैं अगम आपको अपने दोस्त सार्थक की बहन उर्वशी की चुत […]
Full Story >>>

दुल्हन बनने जा रही कज़िन सिस्टर को चोदने की फेंटेसी

मेरी कज़िन की शादी होने वाली थी और मेरा उसको चोदने का बहुत मन करता था। मैं खुद को रोक नहीं पा रहा था। फिर मैंने मेरी प्यास कैसे बुझाई ? मैं हाल ही में कोरोना महामारी के बीच एक शादी […]
Full Story >>>

दोस्त की चालू बहन की चुत में मेरा लंड- 1

हॉट लड़की सेक्स कहानी मेरे दोस्त की चुदक्कड़ बहन की है. मैं उसके घर जाता तो वो मेरे साथ खूब मजाक करती. उसने मुझे अपना जिस्म दिखा कर मेरी वासना जगायी. दोस्तो, मेरा नाम अगम है. मेरी पिछली कहानी थी : […]
Full Story >>>

गांव की कमसिन कली की चुत का मजा- 2

इंडियन देसी सेक्स गर्ल की कुंवारी बुर को उसके मामा ने फाड़ा. उस लड़की ने खुद मुझे अपनी पहली चुदाई की कहानी सुनाई. आप भी पढ़ कर मजा लें. मैं पासवान अंकल … एक बार फिर से गांव में मेरी […]
Full Story >>>

दोस्त की अम्मी की मस्त चुदाई- 1

फ्रेंड मॉम सेक्स कहानी में पढ़ें कि ट्रेनिंग के दौरान मेरा एक दोस्त बन गया. मैं उसी के घर रहा. वहां उसकी अम्मी मुझे चालू माल लगी. वो मेरे लंड के नीचे कैसे आयी. नमस्कार दोस्तो, मैं राज़ शर्मा हिन्दी […]
Full Story >>>